5.3.17 Hindi Honours.

बार इसके पति विजय बाबू घर पर नहीं थे तो मुन्नी लाल को आगे करके पर्दे की ओर से सामान खरीदकर पूछ बैठी की इतनी कम कीमत में ये सारी चीजें क्यों बेचते हैं। फिर रोहीनी ने किं क्या पूर्व में आप खिलौने वाले, एवं मुरली वाले बनकर भी आया करते थे। फेरी वाले ने हाँ में उत्तर दिया। रोहीनी की उत्कंठा को देखकर वह अपने जीवन की कहानी सुनाने लगा। कहानी सुनाकर वह बोला कि अब इन बच्चों के बीच मैं अपने स्वर्गीय बच्चों की छवि देख बहुत सुख पाता हूँ।

बलराम कुमार

Hindi Honours.

शब्द ... प्रकृति और अर्थ की भिन्नता को ... रहे है।

Hindi Honours.

शीर्षक - "मिठाईवाला" - भगवतीप्रसाद वाजपेयी

प्रस्तुत कहानी एक ऐसे मिठाईवाले की कहानी है जो पूर्व मे बहुत बड़ा आदमी था उसको सुन्दर पत्नी थी दो छोटे-छोटे बच्चे थे। गृहस्थी का एक सुनहरा संसार था। दुर्भाग्य से उनके दोनों बच्चे और उनकी पत्नी की अकाल मृत्यु हो गई। धन-दौलत सब पास मे था ही अब मन लगाने के लिए उसने गली-गली घुमकर कभी मुरली बेचा करता, कभी खिलौने बेचा करता, कभी मिठाई बेचा करता। किमत बहुत कम रहती, बच्चो से बहुत प्यार से बातचीत करते, बच्चो की बहुत भीड़ लग जाती। उस मुहल्ले मे एक रोहीनी नाम के औरत रहती थी। चुन्नू-मुन्नू नाम के उसके दो बच्चे थे। बराबर उस फेरी वाले से कभी खिलौने कभी मुरली कभी मिठाई ले आया करती। रोहीनी उसके आवाज पर मुग्ध थी। उसके व्यवहार पर भी मुग्ध थी। एक